13 मई 2022

# कमोडिटी मार्केट रिपोर्ट

smc
Moneywise. Be wise.

## प्रमुख खबरें

- स्काईमेट ने इस साल भारत में दक्षिण-पश्चिम मानसून के सामान्य रहने की भविष्यवाणी की है, लेकिन राजस्थान, गुजरात, पूर्वोत्तर राज्यों के कुछ हिस्सों, कर्नाटक, केरल में जुलाई-अगस्त में कम बारिश होगी। भारतीय मौसम विभाग शुक्रवार, 15-अप्रैल-2022 को मानसून की भविष्यवाणी जारी करेगा।
- भारत में गेहूं का उत्पादन 111.32 मिलियन टन होने का अनुमान है, जो लगातार छठे वर्ष में अधिक उत्पादन है, जिससे अधिशेष अनाज और अधिक स्टॉक वैश्विक स्तर पर बढ़ती मांग को पूरा करने में मदद कर सकता है।
- सीएआई ने 2021-22 में भारत में कपास के 360.13 लाख गांठ के शुरुआती उत्पादन अनुमानों के बाद, अनुमान अब घटाकर 335 लाख गांठ कर दिया है।
- भारतीय चीनी मिल संगठन का अनुमान है कि भारत में चीनी का उत्पादन 350 लाख टन हो सकता है जिसमें से 90 लाख टन से अधिक निर्यात हो सकता है।
- 2021/22 में विश्व स्तर पर कपास उत्पादन 120.2 मिलियन गांठ होने का अनुमान है जो पिछले सीजन की तुलना में 8.4 मिलियन (7.5%) अधिक और 2 सबसे बड़े उत्पादक देशों-चीन और भारत में गिरावट के बावजूद 5 साल के औसत से अधिक होने का अनुमान है।
- दुनिया के तीसरे सबसे बड़े तेल आयातक और उपभोक्ता भारत में ईंधन की मांग मार्च में बढ़कर तीन साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई, जिसमें पेट्रोल की बिक्री रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई।
- ओपेक ने यूक्रेन संघर्ष, कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि से बढ़ती मुद्रास्फीति और चीन में ओमाइक्रोन कोरोनावायरस संस्करण में फिर से बढ़ोतरी के कारण
- 2022 में विश्व स्तर पर तेल की मांग के पूर्वानुमान में कटौती की है।
- इंडोनेशिया कृषि मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 2022 में देश में सीपीओ उत्पादन 48.24 मिलियन टन होने का अनुमान है, जो 2021 में 46.85 मिलियन टन था।
- कोनाब के अनुसार, ब्राजील में सोयाबीन का उत्पादन पिछले साल के 138.1 मिलियन टन के उत्पादन से 11.4% या 15.7 मिलियन टन कम हुआ है।

## NCDEX में सबसे अधिक बढ़ने वाली कमोडिटी

| कमोडिटी | 03.06.22 | 09.06.22 | बदलाव (%) |
|---|---|---|---|
| सोयाबीन | 6989.00 | 7216.00 | 3.25% |
| मक्का | 2200.00 | 2244.00 | 2.00% |
| ग्वारसीड | 5743.00 | 5824.00 | 1.41% |
| कॉटनऑयलसीडकेक | 2818.00 | 2852.00 | 1.21% |
| हल्दी | 8004.00 | 8100.00 | 1.20% |

## MCX में सबसे अधिक बढ़ने वाली कमोडिटी

| कमोडिटी | 03.06.22 | 09.06.22 | बदलाव (%) |
|---|---|---|---|
| नेचुरल गैस | 667.20 | 691.30 | 3.61% |
| कच्चा तेल | 9235.00 | 9473.00 | 2.58% |
| रबर | 17500.00 | 17730.00 | 1.31% |
| कॉटन | 46220.00 | 46360.00 | 0.30% |
| लेड | 184.05 | 184.35 | 0.16% |

## NCDEX में सबसे अधिक गिरने वाली कमोडिटी

| कमोडिटी | 03.06.22 | 09.06.22 | बदलाव (%) |
|---|---|---|---|
| बाजरा | 2,235.00 | 2,204.00 | -1.39% |
| जीरा | 21295.00 | 21135.00 | -0.75% |
| गुड़ | 1279.00 | 1270.00 | -0.70% |
| कपास | 1712.50 | 1700.50 | -0.70% |
| कैस्टरसीड | 7500.00 | 7472.00 | -0.37% |

## MCX में सबसे अधिक गिरने वाली कमोडिटी

| कमोडिटी | 03.06.22 | 09.06.22 | बदलाव (%) |
|---|---|---|---|
| जिंक | 335.40 | 325.15 | -3.06% |
| तांबा | 800.00 | 787.40 | -1.58% |
| मेंथा ऑयल | 1047.70 | 1038.10 | -0.92% |
| चांदी | 61973.00 | 61673.00 | -0.48% |
| निकल | 2304.00 | 2297.90 | -0.26% |

## साप्ताहिक समीक्षा

एनर्जी काउंटर में नयी खरीदारी के कारण सीआरबी इंडेक्स का उत्तरोत्तर तेजी का सफर जारी रहा। कमोडिटीज ने डॉलर इंडेक्स में तेजी को नजरअंदाज किया जो 103 अंक से कुछ ही अंक दूर था। कच्चे तेल की कीमतों में आग लगी हुई थी और आपूर्ति की तंगी के कारण यह 9599 के ऊपर पहुंच गया। दुनिया के शीर्ष उपभोक्ता संयुक्त राज्य अमेरिका में अधिक मांग के कारण गुरुवार को तेल की कीमतों में वृद्धि हुई, जबकि चीन में मांग के रिकवरी की उम्मीद है क्योंकि प्रमुख शहरों में कोविड-19 प्रतिबंधों में ढील दी गई है। ऊर्जा सूचना प्रशासन (ईआईए) के आंकड़ों से पता चलता है कि संयुक्त राज्य अमेरिका के रणनीतिक कच्चे भंडार में रिकॉर्ड गिरावट दर्ज की गई है, यहां तक कि पिछले सप्ताह वाणिज्यिक भंडार में भी वृद्धि हुई। अमेरिकी गैसोलीन स्टॉक अप्रत्याशित रूप से कम हो गया जो आसमान छूती कीमतों के बावजूद भयंकर गर्मी के दौरान मोटर ईंधन की मांग में लचीलापन दर्शाता है। एमसीएक्स पर नेचुरल गैस की कीमतें 749.6 की एक नई ऊंचाई पर पहुंच गई लेकिन अमेरिका में आपूर्ति के रुकने की खबर पर तेजी से फिसल गई, लेकिन कुल मिलाकर बढ़त के साथ बंद हुई। फ्रीपोर्ट, टीएक्स के पास फ्रीपोर्ट एलएनजी नेचुरल गैस सुविधा में विस्फोट की पुलिस रिपोर्ट के बाद अमेरिकी नेचुरल गैस की कीमतें कम हो गईं। इस सुविधा केन्द्र में तीन ट्रेनें निर्यात के लिए प्रति दिन लगभग 2 बिलियन बीएफसी लिक्विड गैस बनाती हैं। अगर इसे ऑफलाइन किया जाता तो अमेरिकी आपूर्ति बढ़ जाती है। विश्व बैंक के अनुसार, 2021 में वैश्विक विकास 5.7% से 2022 में 2.9% तक कम होने की उम्मीद है जो जनवरी में अनुमानित 4.1% की वृद्धि से भी काफी कम है। बेस मेटल में तांबा, लेड, एल्युमीनियम और जिंक की कीमतों में गिरावट हुई। बीजिंग में कुछ हिस्सों में लॉकडाउन फिर से लागू होने की नकारात्मक खबर के कारण कीमतों पर दबाव पड़ा बढ़ती ऊर्जा लागत के कारण यूरोप के प्राथमिक एल्युमीनियम स्मेल्टर उत्पादन में कटौती कर रहे हैं। निकल में तेजी के साथ कारोबार हुआ। एलएमई गोदामों में तांबे का स्टॉक 20,200 टन गिरकर 120,775 टन रह गया, जो 14 अप्रैल के बाद सबसे कम है।

कृषि कमोडिटीज में, कॉटन में कुछ नरमी के रूझान के साथ कारोबार हुआ क्योंकि दक्षिण भारत में 100% मिलों को बंद करने और कपास की खरीद बंद करने का निर्णय लेने के बाद कपड़ा क्षेत्र से कपास की मांग सीमित है। कपास की बुवाई शुरू हो गई है और बुवाई रिपोर्ट के अनुसार, 3 जून तक कपास की बुआई पिछले साल के 13 लाख हेक्टेयर की तुलना में केवल 10.73 लाख हेक्टेयर में हुई है। मॉनसून की धीमी रफ्तार की खबर से ग्वारसीड और ग्वारगम की कीमतों को समर्थन मिला है। अरब सागर के ऊपर मानसून का प्रवाह कमजोर हो गया है, जिससे भारत के कुछ हिस्सों में इसकी प्रगति लगभग छह दिनों से ठप हो गई है। मार्च 2022 में ग्वारगम का निर्यात वर्ष-दर-वर्ष 9.4% बढ़कर 26377 टन हो गया है, जबकि 2021/22 में निर्यात वर्ष-दर-वर्ष 39% बढ़कर 3.21 लाख टन हुआ है। कैस्टर की कीमतें साइडवेज रही। मसालों में, अच्छी घरेलू मांग के बीच थोक व्यापारियों की ओर बेहतर खरीददारी से हल्दी की कीमतों में तेजी दर्ज की गई। पर्याप्त आवक और मांग में कमी के कारण पिछले एक महीने में धनिया की कीमतों में 6-7% की गिरावट हुई है।

## हाजिर कीमतें

| कमोडिटी | स्थान | 03.06.22 | 09.06.22 | ( % ) |
|---|---|---|---|---|
| जौ | जयपुर | 3,146.05 | 3,165.70 | 0.62 |
| चना | दिल्ली | 4,713.10 | 4,936.70 | 4.74 |
| धनिया | कोटा | 11,608.55 | 11,988.50 | 3.27 |
| क्रूड पॉम ऑयल | कांडला | 1,415.10 | 1,402.15 | -0.92 |
| गुड़ | मुजफ्फरपुर | 1,275.90 | 1,268.15 | -0.61 |
| ग्वारसीड | जोधपुर | 5,800.00 | 5,837.50 | 0.65 |
| ग्वारगम | जोधपुर | 11,350.00 | 11,325.00 | -0.22 |
| जीरा | ऊंझा | 21,327.60 | 21,344.30 | 0.08 |
| सरसों | जयपुर | 6,892.35 | 7,166.45 | 3.98 |
| रिफाइंड सोया तेल | मुंबई | 1,515.00 | 1,530.00 | 0.99 |
| सोयाबीन | इंदौर | 6,973.30 | 7,206.00 | 3.34 |
| हल्दी | निजामाबाद | 7,763.70 | 7,797.70 | 0.44 |
| गेहूं | दिल्ली | 2,257.65 | 2,260.40 | 0.12 |
| कॉटन | कड़ी | 46,372.35 | 46,372.35 | 0.00 |
| कॉटनऑयलसीडकेक | अकोला | 3,041.50 | 3,074.60 | 1.09 |

## LME/ COMEX/ NYMEX में धातुओं की कीमत ( डॉलर में )

| कमोडिटी | एक्सचेंज | कॉन्ट्रैक्ट | 03.06.22 | 09.06.22 | बदलाव( % ) |
|---|---|---|---|---|---|
| एल्युमीनियम | LME | नकद | 2,726.00 | 2,761.00 | 1.28 |
| तांबा | LME | नकद | 9,499.50 | 9,615.00 | 1.22 |
| लेड | LME | नकद | 2,169.00 | 2,196.00 | 1.24 |
| निकल | LME | नकद | 28,119.00 | 28,023.00 | -0.34 |
| जिंक | LME | नकद | 3,864.50 | 3,762.00 | -2.65 |
| सोना | COMEX | अगस्त | 1,850.20 | 1,852.80 | 0.14 |
| चांदी | COMEX | जुलाई | 21.91 | 21.82 | -0.41 |
| लाइट क्रूड | NYMEX | जुलाई | 118.87 | 121.50 | 2.21 |
| नेचुरल गैस | NYMEX | जुलाई | 8.52 | 8.963 | 5.16 |

## अंतरराष्ट्रीय बाजार में कमोडिटी की कीमतें

| कमोडिटी | एक्सचेंज | कॉन्ट्रैक्ट | 03.06.22 | 09.06.22 | बदलाव (%) |
|---|---|---|---|---|---|
| सोयाबीन | CBOT | जुलाई | 16.98 | 17.69 | 4.18 |
| सोया तेल | CBOT | जुलाई | 81.85 | 82.63 | 0.95 |
| कॉटन | ICE | जुलाई | 138.18 | 146.51 | 6.03 |
| सीपीओ | BMD | अगस्त | 6,453.00 | 6,210.00 | -3.77 |

## गोदाम में सप्ताहिक स्टॉक स्थिति (NCDEX)

| कमोडिटी | यूनिट | 03.06.22 क्वांटिटी | 09.06.22 क्वांटिटी | अंतर |
|---|---|---|---|---|
| बाजरा | मी.टन | 50 | 50 | 0 |
| जौ | मी.टन | 20 | 20 | 0 |
| कैस्टर सीड | मी.टन | 57,618 | 57,970 | 352 |
| धनिया | मी.टन | 10,799 | 10,768 | -31 |
| कॉटनऑयलसीडकेक | मी.टन | 50,480 | 48,197 | -2283 |
| ग्वारगम | मी.टन | 19,101 | 18,833 | -268 |
| ग्वारसीड | मी.टन | 29,328 | 28,944 | -384 |
| जीरा | मी.टन | 7,905 | 7,888 | -17 |
| मक्का | मी.टन | 912 | 650 | -262 |
| सोयाबीन | मी.टन | 403 | 403 | 0 |
| हल्दी | मी.टन | 4,637 | 4,702 | 65 |

## गोदाम में सप्ताहिक स्टॉक स्थिति (MCX)

| कमोडिटी | यूनिट | 03.06.22 क्वांटिटी | 09.06.22 क्वांटिटी | अंतर |
|---|---|---|---|---|
| एल्युमीनियम | मी.टन | 5,007 | 4,092 | -916 |
| तांबा | मी.टन | 1,341,763 | 1,336,588 | -5175 |
| सोना | किग्रा | 638 | 445 | -193 |
| सोना गिनी | किग्रा | 14,096 | 14,096 | 0 |
| सोना मिनी | किग्रा | 39,500 | 30,300 | -9200 |
| लेड | किग्रा | 856 | 690 | -167 |
| निकल | किग्रा | 45,737 | 13,313 | -32424 |
| चांदी (30 किग्रा बार) | किग्रा | 28,701 | 28,352 | 27954 |
| जिंक | मी.टन | 398 | 367 | 367 |

## LME में सप्ताहिक स्टॉक स्थिति(टन में)

| कमोडिटी | स्टॉक की स्थिति 03.06.22 | स्टॉक की स्थिति 09.06.22 | अंतर |
|---|---|---|---|
| एल्युमीनियम | 453,875 | 434,000 | -19,875 |
| तांबा | 145,950 | 116,900 | -29,050 |
| निकल | 71,472 | 70,992 | -480 |
| लेड | 38,800 | 38,700 | -100 |
| जिंक | 83,575 | 86,150 | 2,575 |

## ट्रेंड शीट

| एक्सचेंज | कमोडिटी | कांट्रेक्ट | बंद* भाव | ट्रेंड बदलाव की तिथि | ट्रेंड | भाव के ट्रेंड में बदलाव | सपोर्ट | रेजिस्टेंस | क्लोजिंग स्टॉप लास |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| NCDEX | जीरा | जुलाई | 21255.00 | 11.05.22 | तेजी | 21200.00 | 20700.00 | - | 20650.00 |
| NCDEX | ग्वारसीड | जुलाई | 5905.00 | 30.05.22 | मंदी | 6000.00 | - | 6080.00 | 6100.00 |
| NCDEX | कॉटनऑयलसीडकेक | जुलाई | 2874.00 | 04.04.22 | मंदी | 3200.00 | - | 2990.00 | 3000.00 |
| MCX | रबर | जून | 17730.00 | 14.12.21 | मंदी | 17800.00 | - | 17980.00 | 18000.00 |
| MCX | मेंथा ऑयल | जून | 1038.10 | 23.05.22 | मंदी | 1080.00 | - | 1073.00 | 1075.00 |
| MCX | बुलडेक्स | जून | 14463.00 | 16.05.22 | तेजी | 14200.00 | 14250.00 | - | 14200.00 |
| MCX | चांदी | जुलाई | 61411.00 | 16.05.22 | तेजी | 59000.00 | 59550.00 | - | 59500.00 |
| MCX | सोना | अगस्त | 51005.00 | 16.05.22 | तेजी | 50000.00 | 50400.00 | - | 50350.00 |
| MCX | मेटलडेक्स | जून | 19582.00 | 16.05.22 | तेजी | 21500.00 | 19250.00 | - | 19200.00 |
| MCX | तांबा | जून | 787.40 | 16.05.22 | तेजी | 760.00 | 762.00 | - | 760.00 |
| MCX | लेड | जून | 184.35 | 25.04.22 | मंदी | 187.00 | - | 189.00 | 190.00 |
| MCX | जिंक | जून | 325.15 | 16.05.22 | तेजी | 365.00 | 315.00 | - | 314.00 |
| MCX | निकल | जून | 2297.90 | 16.05.22 | तेजी | 2500.00 | 2155.00 | - | 2150.00 |
| MCX | एल्युमिनियम | जून | 233.15 | 16.05.22 | तेजी | 235.00 | 222.00 | - | 220.00 |
| MCX | एनर्जीडेक्स | जुलाई | 11289.00 | 16.05.22 | तेजी | 9800.00 | 10450.00 | - | 10400.00 |
| MCX | कच्चा तेल | जून | 9473.00 | 15.02.22 | तेजी | 6800.00 | 9150.00 | - | 9100.00 |
| MCX | नेचुरल गैस | जून | 691.30 | 15.02.22 | तेजी | 320.00 | 635.00 | - | 630.00 |

*09/06/2022 का बंद भाव

नाट: 1. कभी-कभी आप पाओगे कि स्टॉप लॉस बहुत अधिक है लेकिन यदि हम स्टॉप लॉस को एक बार बदल दें तो हमें कमोडिटी में मजबूती आती दिखेगी ।उस स्थिति में स्टॉप लॉस अधिक होगा क्योंकि हम सप्ताहिक आधार पर ग्राफ को देखते है और लम्बे समय तक के रूझानों को लेते है।
2. इस सप्ताहिक ट्रेंड का मिलान रोजाना के ट्रेंड से नहीं किया जाना चाहिए जिसे प्रतिदिन सुबह को मार्निंग रिपोर्ट के नाम से ई मेल किया जाता है।

## टेक्निकल सुझाव

### सोना ( अगस्त ) एमसीएक्स

### धनिया ( जुलाई ) एनसीडीईएक्स

### जिंक ( जून ) एमसीएक्स

### सोना ( अगस्त ) एमसीएक्स

एमसीएक्स में सोना(अगस्त) कॉन्ट्रैक्ट 09 जून 2022 को 51005.00 रू पर बंद हुआ। 18 अप्रैल 2022 को कॉन्ट्रैक्ट 53904.00 रू के उच्च स्तर पर था। 16 मई 2022 को 49741.00 रू के निचले स्तर पर था।

दैनिक चार्ट में कमोडिटी की रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स की वैल्य 48.053 है। 50000.00 रू के स्टॉपलॉस के साथ 52000.00 रू के टारगेट के लिए 50500.00 रू के नजदीक खरीददारी की जा सकती है।

### धनिया ( जुलाई ) एनसीडीईएक्स

एनसीडीईएक्स में धनिया(जुलाई)कॉन्ट्रैक्ट 09 जून 2022 को 11412.00 रू पर बंद हुआ। 06 मई 2022 को कॉन्ट्रैक्ट 12560.00 रू के उच्च स्तर पर था जबकि 26 मई 2022 को 10932.00 रू के निचले स्तर पर था।

दैनिक चार्ट में कमोडिटी की रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स की वैल्यू 44.601 है। 10950.00 रू के स्टॉपलॉस के साथ 11700.00 रू के टारगेट के लिए 11250.00 रू के नजदीक खरीददारी की जा सकती है।

### जिंक ( जून ) एमसीएक्स

एमसीएक्स में जिंक(जून) कॉन्ट्रैक्ट 09 जून 2022 को 325.15 रू पर बंद हुआ। 22 अप्रैल 2022 को कॉन्ट्रैक्ट 370.80 रू के उच्च स्तर पर था। 13 मई 2022 को 300.10 रू के निचले स्तर पर था।

दैनिक चार्ट में कमोडिटी की रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स की वैल्यू 45.223 है। 310.00 रू के स्टॉपलॉस के साथ 345.00 रू के टारगेट के लिए 320.00 रू के नजदीक खरीददारी की जा सकती है।

# अगले सप्ताह में बाजार का रुख

## मसाले

पिछले हफ्ते हमने मसाले के काउंटर में मिला-जुला रूझान देखा है जहां हम देखते हैं कि हल्दी और धनिया में रिकवरी हो रही है लेकिन जीरा अभी भी दबाव में कारोबार कर रहा है। जीरा की निर्यात मांग में अभी भी सुधार नहीं हो रहा है जबकि निचले स्तर पर सौदेबाजी से हल्दी और धनिया की कीमतों को समर्थन मिल रहा है। हल्दी वायदा (जुलाई) की कीमतों को 8000 के स्तर के पास मजबूत सपोर्ट मिला और पिछले सप्ताह के उच्च स्तर को भी तोड़ दिया लेकिन अभी भी 8300 के स्तर के पास रेजिस्टेंस का सामना करना पड़ रहा है। यदि कीमतें सपोर्ट स्तर से नीचे बनी रहती है तो गिरावट बरकरार रह सकती है। फिलहाल पर्याप्त स्टॉक और बुवाई की अच्छी प्रगति की खबरें कीमतों पर दबाव बना रही है। निर्यात की कम मांग और नए सीजन की आवक के कारण 2022 में कीमतों में 10% से अधिक की गिरावट हुई है। निर्यात आंकड़ों के अनुसार, मार्च 2022 में, हल्दी का निर्यात पिछले साल के 12,360 टन की तुलना में 27.4% बढ़कर 15750 टन हुआ है जबकि वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान हल्दी का निर्यात पिछले साल की तुलना में 16.7% कम होकर 1.53 लाख टन हुआ है लेकिन 5 साल के औसत की तुलना में 10% अधिक है।

निर्यात मांग में कमी के कारण बिकवाली का दबाव जारी रहने के कारण जीरा वायदा (जुलाई) की कीमतें लगातार चौथे सप्ताह गिरावट के साथ बंद हुई । सपोर्ट 20700 के स्तर पर देखा जा रहा है जबकि रेजिस्टेंस 21660 के स्तर पर है। यदि कीमतें सपोर्ट स्तर से नीचे कारोबार करती हैं, तो कीमतों में 19300 रू तक गिरावट जारी रह सकती है। कम निर्यात और पर्याप्त आवक के कारण पिछले महीने कीमतों में 7% की गिरावट हुई है जबकि कम उत्पादन अनुमानों के कारण कीमतें वर्ष-दर-वर्ष 54% अधिक है। व्यापारियों को 2021/22 में 5.0-6.0 मिलियन बैग (1 बैग=55 किग्रा) जीरा उत्पादन की उम्मीद है, जो पिछले वर्ष के 8.0-8.5 मिलियन बैग से कम है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, मार्च 2022 में जीरा का निर्यात पिछले वर्ष की समान अवधि के 35160 टन की तुलना में वर्ष-दर-वर्ष 58.5% कम होकर 14600 टन हुआ है, जबकि वित्त वर्ष 2021/22 की अवधि में निर्यात वर्ष-दर-वर्ष 27% घटकर 2.16 लाख टन रह गया है जबकि पिछले साल 2.98 लाख टन हुआ था।

धनिया वायदा (जुलाई) की कीमतों में पिछले सप्ताह रिकवरी हुई है और 11700 के स्तर को पार कर गई लेकिन इससे ऊपर नहीं रह सकी क्योंकि इसे मजबूत रेजिस्टेंस का सामना करना पड़ रहा है। कीमतों को 11300 के स्तर पर सपोर्ट है और यदि कीमतें सपोर्ट स्तर से नीचे कारोबार करती है तो कीमतों में 10900 तक गिरावट जारी रह सकती है। प्रोसेसर और व्यापारी अपनी वर्तमान आवश्यकता के अनुसार खरीद रहे हैं। वर्तमान में उत्पादन में कमी की आशंका से कीमतें वर्ष-दर-वर्ष 70-71% अधिक हैं और जनवरी 2022 के बाद से 24% अधिक हैं । सरकारी आंकड़ों के अनुसार, मार्च 2022 में धनिया का निर्यात 28.7% कम होकर 4180 टन रह गया, जो पिछले साल 5862 टन था। जबकि वित्त वर्ष 2021/22 में निर्यात पिछले वर्ष के 57,350 टन की तुलना में 15.2% घटकर 48,615 टन रह गया है लेकिन 5 साल के औसत की तुलना में 9.5% अधिक है।

## अन्य कमोडिटीज

पिछले हफ्ते, कॉटन वायदा (जून) की कीमतों में रिकवरी जारी रही लेकिन अभी भी 43890-47200 के दायरे में कारोबार कर रही है। अब 45000 पर सपोर्ट है जबकि 48470 पर रेजिस्टेंस है। अब कीमतें इसी दायरे में साइडवेज कारोबार कर सकती है क्योंकि ज्यादातर शॉर्ट कवरिंग देखी जा रही है। मुख्य रूप से कपास की एमएसपी में बढ़ोतरी की घोषणा से पिछले सप्ताह कीमतों में सुधार हुआ है, जिसे 2022-23 में 6.2% बढ़ाकर 6,080 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है। इस बीच, अमेरिकी मौसम अभी भी कपास उत्पादन के लिए चिंता का विषय है क्योंकि एनओएए ने इस साल औसत से अधिक तूफानी मौसम का अनुमान लगाया है। उत्पादन में कमी की आशंका, धीमी आवक, बढ़ती मांग और गुणवत्ता की अनुपलब्धता के कारण वर्तमान समय में कपास की कीमतें वर्ष-दर-वर्ष 93% अधिक हैं । कपास की बुवाई शुरू हो गई है और बुवाई रिपोर्ट के अनुसार, 3 जून तक कपास की बुआई पिछले साल के 13 लाख हेक्टेयर की तुलना में केवल 10.73 लाख हेक्टेयर में हुई है। दक्षिण भारत में 100% मिलों को बंद करने और कपास की खरीद बंद करने का निर्णय लिए जाने के कारण कपड़ा क्षेत्र से कपास की मांग सीमित है।

मौसम विभाग द्वारा सामान्य मॉनसून की रिपोर्ट आने के बाद पिछले सप्ताह ग्वारसीड वायदा (जुलाई) की कीमतें पिछले हफ्ते 3 महीने के निचले स्तर पर आ गई लेकिन निचले स्तरों पर अच्छी खरीदारी से कीमतों में सुधार हुआ। साप्ताहिक आधार पर, कीमतों को 5725 के स्तर पर अच्छा सपोर्ट दिखाई देता है और यदि कीमतें सपोर्ट स्तरों से नीचे बनी रहती है, तो इसके 5500 तक गिरावट दर्ज करने की संभावना है। पिछले एक महीने में कीमतें 14-15% के करीब फिसल गई हैं, लेकिन वर्तमान में, पिछले 5 वर्षों में सबसे कम उत्पादन, कई वर्षों में कम स्टॉक और अच्छी निर्यात मांग की संभावना से कीमतें वर्ष-दर-वर्ष 43.5% अधिक हैं। ग्वारगम के निर्यात से कीमतों को समर्थन मिल सकता है क्योंकि अमेरिका में तेल-रिग की संख्या में सुधार हो रहा है। मार्च 2022 में, ग्वारगम का निर्यात वर्ष-दर-वर्ष 9.4% बढ़कर 26377 टन हो गया है, जबकि 2021/22 में निर्यात वर्ष-दर-वर्ष 39% बढ़कर 3.21 लाख टन हुआ है। पिछले पांच साल के औसत 4 लाख निर्यात की तुलना में पिछले वित्त वर्ष में ग्वारगम निर्यात लगभग 20% कम हुआ है।

पिछले हफ्ते, अरंडी वायदा (जुलाई)की कीमतें एक दायरे में रही क्योंकि मौजूदा कीमतों पर मांग अच्छी है। वर्तमान में कीमतों को 7490 पर सपोर्ट जबकि रेजिस्टेंस 7650 पर है और यदि कीमतें रेजिस्टेंस स्तर को पार करती है तो 8000 के स्तर तक बढ़त दर्ज करने की उम्मीद है। वर्तमान में, कम उत्पादन अनुमानों के कारण कीमतों में इस वर्ष लगभग 28% की वृद्धि हुई हैं, जबकि कीमतें वर्ष-दर-वर्ष लगभग 50% अधिक हैं। एसईए का अनुमान है कि 2021-22 में भारत में अरंडी का उत्पादन 16.94 लाख टन हुआ है जो पिछले साल के अनुमानित उत्पादन 17.56 लाख टन से 62,000 टन कम है।

मेंथा ऑयल (जून) में पिछले सप्ताह भारी गिरावट जारी रही और 1018 के स्तर पर सपोर्ट मिला और पिछले सप्ताह के निचले स्तर 1045 से नीचे बंद हुई। अब कीमतों को 1010 के स्तर पर सपोर्ट दिखाई दे रहा है जबकि रेजिस्टेंस 1065 के स्तर पर है। यदि कीमतें सपोर्ट स्तर से नीचे बनी रहती हैं, तो 955 तक लुढ़क सकती है।

## सर्राफा

बुलियन की कीमते नरमी के रूझान के साथ कारोबार कर सकती है क्योंकि अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में बढ़ोतरी और मजबूत डॉलर के कारण बुलियन की मांग पर दबाव रह सकता है। केंद्रीय बैंकों के आक्रामक रूख, बढ़ती वास्तविक दरों और मजबूत अमेरिकी डॉलर ने सोने के बाजार की चमक छीन ली है। अभूतपूर्व राजकोषीय और मौद्रिक समर्थन वापस लेने से भी सेंटीमेंट पर असर पड़ रहा है। अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड बढ़ रही हैं, जिससे गैर-यील्ड वाले सोने को रखने की अवसर लागत बढ़ रही है, जबकि डॉलर में मजबूती दर्ज की गई है, जिससे विदेशी खरीदारों के लिए सोना कम आकर्षक हो गया है। अर्थशास्त्रियों के एक रॉयटर्स पोल के अनुसार अमेरिकी फेडरल रिजर्व जून और जुलाई में अपनी प्रमुख ब्याज दर में 50 आधार अंकों की बढ़ोतरी करेगा, सितंबर में इसी तरह के कदम की संभावना है और अगले साल तक दर में कोई ठहराव की संभावना नही है। बेरोजगारी लाभ के लिए नए दावे दाखिल करने वाले अमेरिकियों की संख्या पिछले सप्ताह लगभग पांच महीनों में उच्चतम स्तर तक बढ़ गई, लेकिन यह संभावना श्रम बाजार की स्थितियों में एक भौतिक बदलाव को चिह्नित नहीं करती है, जो बेहद कम रहती है। यूरोपीय सेंट्रल बैंक ने हाल ही में लंबे समय से चल रही प्रोत्साहन योजना को समाप्त कर दिया और कहा कि वह अगले महीने 2011 के बाद से पहली बार ब्याज दर में वृद्धि करेगा, इसके बाद सितंबर में संभावित रूप से बड़ा कदम होगा। ईसीबी ने यह भी कहा कि वह 1 जुलाई, 2022 को शुद्ध संपत्ति खरीद को समाप्त कर देगा। बढ़ती ब्याज दरें सोने की कीमतों को कम करती हैं। लेकिन मौजूदा उच्च मुद्रास्फीति के साथ, हमें विश्वास नहीं है कि अन्य सुरक्षित निवेश बुलियन की तुलना में पर्याप्त रिटर्न प्रदान करेंगे। इस सप्ताह में, सोने की कीमतों में दोनों तरफ की हलचल जारी रह सकती है और कीमतें 49600-51600 के दायरे में कारोबार कर सकती है। चांदी में भी इसी तरह का उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है जहां यह 58800-63000 के दायरे में कारोबार कर सकती है।

## एनर्जी कॉम्पलेक्स

तेल की कीमतों में सातवीं साप्ताहिक बढ़त दर्ज की गई क्योंकि निवेशकों की नजर वैश्विक बाजार में तेल की कमी और वायरस से चीन की वापसी पर है। कीमतों को इस उम्मीद से समर्थन मिल सकता है कि ईंधन के लिए ठोस अमेरिकी मांग और ओपेक + द्वारा कच्चे तेल के उत्पादन में धीमी वृद्धि के साथ वैश्विक स्तर पर कम आपूर्ति जारी रहेगी। शीर्ष आयातक चीन में खपत धीमी गति से बढ़ने की उम्मीद है क्योंकि शंघाई में फिर से लॉकडाउन धीमी रिकवरी की ओर संकेत करता है। चीन के सबसे बड़े आर्थिक केंद्र के कुछ हिस्सों में नए लॉकडाउन प्रतिबंध लगाने के बाद शंघाई और बीजिंग में नए कोविड-19 को लेकर अलर्ट जारी कर दिया गया है । मई में चीन में कच्चे तेल का आयात एक साल पहले के निचले स्तर से लगभग 12% बढ़ गया, लेकिन रिफाइनर अभी भी कोविड-19 और धीमी अर्थव्यवस्था के साथ ही अधिक भंडार से जूझ रहे है और पिछले महीने ईंधन की मांग पर धीमी अर्थव्यवस्था का दबाव था। इस बीच, अमेरिका में गर्मियों के ड्राइविंग सीजन में गैसोलीन और डीजल की खपत में रिकॉर्ड वृद्धि देखी जा रही है, लेकिन तेल की कीमतों में भारी उछाल से, जब अधिकतम मांग वाला सीजन कमजोर पड़ जाएगा, मांग में तेज गिरावट की चिंता बनी हुई है। संयुक्त राज्य अमेरिका और अन्य राष्ट्र रणनीतिक भंडार जारी करने की एक श्रृंखला में लगे हुए हैं, लेकिन कीमतों पर इसका सीमित प्रभाव पड़ा है, क्योंकि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की आपूर्ति बहुत धीमी गति से बढ़ रही है। इस सप्ताह कच्चे तेल की कीमतें तेजी के रूझान के साथ 8980-9720 के दायरे में कारोबार कर सकती है। नेचुरल गैस की कीमतें उच्च अस्थिरता के साथ कारोबार करना जारी रख सकती हैं, लेकिन इस सप्ताह टेक्सास में बिजली की रिकॉर्ड मांग, भंडारण में सामान्य से कम बढ़ोतरी, हाजिर गैस की बढ़ती कीमतें, कम पवन ऊर्जा और इस महीने अब तक गैस उत्पादन में गिरावट के कारण तेजी का रुझान जारी रह सकता है। नेचुरल गैस की कीमतों को 620 के करीब सपोर्ट मिल सकता है और 730 के करीब रेजिस्टेंस का सामना करना पड़ सकता है।

## बेस मेटल

बेस मेटल की कीमतें नरमी के रूझान के साथ एक दायरे में कारोबार कर सकती हैं क्योंकि शीर्ष उपभोक्ता चीन में नए सिरे से कोविड-19 प्रतिबंधों के कारण मांग को लेकर चिंताओं को फिर से बढ़ा दिया है, जबकि मजबूत डॉलर के कारण भी कीमतों पर दबाव रह सकता है। चीन के सबसे बड़े आर्थिक केंद्र के कुछ हिस्सों में नए लॉकडाउन प्रतिबंध लगाए जाने के बाद शंघाई और बीजिंग में नए कोविड-19 को लेकर अलर्ट जारी कर दिया गया है और शहर ने लाखों निवासियों के लिए बड़े पैमाने पर परीक्षण की घोषणा की है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार चीन की फैक्ट्री-गेट मुद्रास्फीति मई में कम हो गई जो कड़े कोविड-19 प्रतिबंधों के कारण स्टील, एल्युमीनियम और अन्य प्रमुख औद्योगिक वस्तुओं की कमजोर मांग के कारण हुई है। चाइनीज पैसेंजर कार एसोसिएशन के अनुसार, चीन की ऑटो की बिक्री अप्रैल की तुलना में मई में बढ़ी है लेकिन साल-दर-साल 16% कम रही है। तांबे की कीमतें 755-810 के दायरे में कारोबार कर सकती है। आंकड़ों से पता चलता है कि मई में चीन का तांबा आयात एक साल पहले के समान अवधि की तुलना में 4.4% बढ़ा है। पेरू के स्वदेशी समुदायों के एक समूह ने एमएमजी लिमिटेड की लास बंबास तांबे की खदान के खिलाफ विरोध को अस्थायी रूप से हटाने पर सहमति व्यक्त की, जिसने कंपनी को 50 दिनों से अधिक के लिए संचालन को रोकने के लिए मजबूर किया है। एल्युमीनियम की कीमतें 220-240 के दायरे में कारोबार कर सकती है। लॉन्ग और शॉर्ट्स के बीच रस्साकशी के कारण एल्युमीनियम की कीमतों के अल्पावधि में एक दायरे में रहने की संभावना है। चीन में, एल्युमीनियम का उत्पादन मई में सालाना आधार पर 3.6 फीसदी बढ़ा, जिससे पता चलता है कि आपूर्ति का दबाव अभी भी मौजूद है। चीन में मांग को लेकर अस्पष्ट रिकवरी के कारण जिंक की कीमतें नरमी के रूझान के साथ 315-340 के दायरे में कारोबार कर सकती है। लेकिन यूरोप में नेचुरल गैस की अधिक कीमतें और एलएमई में जिंक के कम भंडार के कारण काउंटर को मदद मिल सकती है। लेड की कीमतें 178-190 के दायरे में कारोबार कर सकती है। निकल की कीमतें 2290-2470 के दायरे में कारोबार कर सकती है।

## खरीफ फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2022-23

पिछले दो वर्षों में कोविड -19 महामारी की कई घातक लहरों और मौजूदा यूक्रेन संकट के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था की विकास गाथा से पूरी दुनिया हैरान है और निस्संदेह कृषि अब भारत के विकास इंजन के केंद्र में स्थापित हो रही है। कृषि और संबद्ध क्षेत्र कोविड -19 झटके के समक्ष सबसे अधिक मजबूत क्षेत्र साबित हुआ है क्योंकि इसने 2020-21 में 3.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की और 2021-22 में 3.9 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई जिससे आर्थिक सर्वेक्षण 2021-22 के अनुसार, 2021-22 में भारतीय अर्थव्यवस्था के वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद में 9.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई। अनुमान के मुताबिक, कुल सकल मूल्य वर्द्धन में कृषि और संबद्ध क्षेत्र की हिस्सेदारी 2020-21 में बढ़कर 20.2 प्रतिशत और 2021-22 में 18.8 प्रतिशत हो गई है।

आम तौर पर किसानों को उनकी उपज के लिए लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने के लिए हर वर्ष मानसून के आने से पहले फसलों के एमएसपी में वृद्धि सामान्य बात है। पिछले साल एमएसपी में बढ़ोतरी के बेहतर प्रभाव को देखते हुए, सरकार ने बाजार वर्ष 2022-23 में फिर से खरीफ फसलों के एमएसपी को बढ़ा दिया है, ताकि उत्पादकों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य सुनिश्चित किया जा सके।

विभिन्न तरह के फसलों को प्रोत्साहित करने के लिए, दलहन, तिलहन और मोटे अनाज के एमएसपी में थोड़ी अधिक वृद्धि की गई। बाजार वर्ष 2022-23 के लिए खरीफ फसलों की एमएसपी में बढ़ोत्तरी, वर्ष 2018-19 के केंद्रीय बजट में एमएसपी को अखिल भारतीय भारित औसत उत्पादन लागत (सीओपी) के ऊपर कम से कम 50 प्रतिशत लाभ निर्धारित करने की उद्घोषणा के अनुरूप हैं, जो कि किसानों के लिए किफायती निष्पक्ष पारिश्रमिक के लिए लक्षित हैं। यह ध्यान देने योग्य है कि बाजरा, तूर, उडद, सूरजमुखी बीज, सोयाबीन एवं मूंगफली की एमएसपी पर लाभ अखिल भारतीय भारित औसत उत्पादन लागत से 50 प्रतिशत अधिक है जो कि क्रमश: 85%, 60%, 59%, 56%, 53% एवं 51% है ।

एमएसपी में पिछले वर्ष की तुलना में सबसे अधिकतम वृद्धि की सिफारिश तिल (523 रुपये प्रति क्विंटल), मूंग (480 रुपये प्रति क्विंटल) और सूरजमुखी (385 रुपये प्रति क्विंटल) के लिए की गई है। मुख्य खरीफ फसल धान की सामान्य किस्म के एमएसपी को 2022-23 फसल वर्ष के लिए पिछले वर्ष के 1,940 रुपये से 100 रुपये बढ़ाकर 2,040 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। धान की 'ए' ग्रेड किस्म का समर्थन मूल्य 1,960 रुपये से बढ़ाकर 2,060 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है।

पिछले कुछ साल के दौरान तिलहनों, दालों और मोटे अनाज के एमएसपी में अधिक बदलाव की दिशा में हुए ठोस प्रयासों का उद्देश्य किसानों को इन फसलों की अधिक खेती करने और सर्वश्रेष्ठ तकनीकों व कृषि विधियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है, जिससे मांग-आपूर्ति में संतुलन कायम किया जा सके।

**2014-15 से 2022-23 के दौरान प्रमुख खरीफ फसलों के एमएसपी में वृद्धि:**

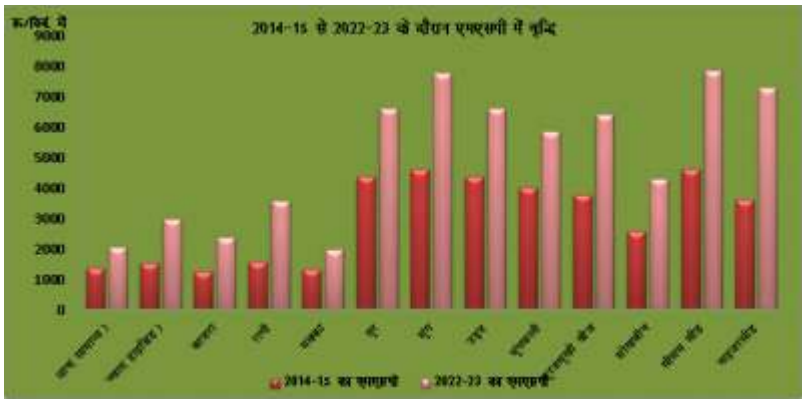


स्रोत: पीआईबी

यह कदम आयात पर निर्भरता कम करके और आत्मनिर्भरता बढ़ाकर सरकार की आत्मानिर्भर भारत योजना को बढ़ावा देने के लिए भी है। कीमतों में वृद्धि से अधिक निवेश और उत्पादन भी हो सकता है जैसा कि कैबिनेट के फैसलों में उल्लेख किया गया है।

अब, बेहतर निर्यात मांग के बीच आरामदायक स्टॉक ने निर्यात के आंकड़ों को बढ़ाया और राजस्व में भारी वृद्धि हुई है। इसके अलावा, देश से कृषि निर्यात से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मदद मिल रही है क्योंकि यह भारत में आजीविका का सबसे बड़ा स्रोत है। आयात पर निर्भरता कम हुई है। किसानों की आमदनी बढ़ी है।

## एसएमसी रिसर्च डेस्क

आप इस रिपोर्ट को हमारी वेबसाइट पर भी देख सकते हैं- www.smctradeonline.com


**Corporate Office:**
11/6B, Shanti Chamber,
Pusa Road, New Delhi - 110005
Tel: +91-11-30111000
www.smcindiaonline.com

**Mumbai Office:**
Lotus Corporate Park, A Wing 401 / 402 , 4th Floor , Graham Firth Steel Compound, Off Western Express Highway, Jay Coach Signal, Goreagon (East) Mumbai - 400063
Tel: 91-22-67341600, Fax: 91-22-67341697

**Kolkata Office:**
18, Rabindra Sarani, Poddar Court, Gate No-4,
5th Floor, Kolkata-700001
Tel.: 033 6612 7000/033 4058 7000
Fax: 033 6612 7004/033 4058 7004



एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड (जिसे एसएमसी कहा जाता है) का नियमन भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड द्वारा किया जाता है और इसे ब्रोकिंग व्यवसाय, डिपॉजिटरी सेवायें और संबंधित सेवायें करने का लाइसेंस प्राप्त है। एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, एमएसईआई(मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड) का रजिस्टर्ड सदस्य है और एम/एस एसएमसी कॉमट्रेड नेशनल कमोडिटी एवं डेरिवेटिव्स एक्सचेंज लिमिटेड और मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया और भारत के अन्य कमोडिटी एक्सचेंजों का रजिस्टर्ड सदस्य है। इसकी सहयोगी एमसीएक्स स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड की सदस्य हैं। एसएमसी सीडीएसएल(CDSL) और एनएसडीएल(NSDL)के साथ डिपॉजिटरी भागीदार के रूप में भी रजिस्टर्ड है । एसएमसी के अन्य एसोसिएट सेबी और भारतीय रिजर्व बैंक के साथ मर्चेंट बैंकर, पोर्टफोलियो मैनेजर के रूप में रजिस्टर्ड है। यह म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में एएमएफआई(AMFI) में भी रजिस्टर्ड है ।

एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड सेबी (रिसर्च एनॉलिस्ट)रेगुलेशन 2014 के तहत रिसर्च एनॉलिस्ट के लिए रजिस्ट्रेशन संख्या INH100001849 के साथ रजिस्टर्ड संस्था है। एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड या इसके सहयोगियों को सेबी द्वारा अन्य किसी रेगुलेटरी एथॉरिटी द्वारा सिक्योरिटीज मार्केट/कमोडिटी मार्केट में कारोबार के लिए प्रतिबंधित/निलंबित नही किया गया है। रिपोर्ट में रिसर्च एनॉलिस्टों द्वारा व्यक्त की गई राय केवल सार्वजनिक रूप से प्राप्त सूचनाओं/इंटरनेट आंकड़ों/अन्य विश्वसनीय स्रोतों, जिन्हे सत्य माना जाना जाता है, पर आधारित है। एसएमसी रिपोर्ट में व्यक्त राय या सामग्री की शुद्धता को लेकर कोई आश्वासन नही देता है और निवेशकों को सलाह दी जाती है कि निवेश के लिए कोई भी निर्णय करने से पहले बाजार की परिस्थितियों/जोखिमों का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन करें । रिसर्च एनॉलिस्ट, जिन्होने इस रिपोर्ट को तैयार किया है, एतद् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि इस रिपोर्ट में विशेष कमोडिटी के संदर्भ में व्यक्त किया गया विचार/राय उनके निजी स्वतंत्र विचार/राय है।

**डिसक्लेमर:** यह रिसर्च रिपोर्ट अधिकृत प्राप्तकर्त्ता की व्यक्तिगत सूचना के लिए है और इसका निवेशक के किसी निवेश, विधिक एवं कर संबंधी परामर्श से संबंध नही हैं । यह केवल प्राइवेट सर्कुलेशन एवं उपयोग के लिए है। यह रिपोर्ट विश्वस्त सूचनाओं पर आधारित है लेकिन यह पूरी तरह सही और पूर्ण है, ऐसा जरूरी नही और इस पर पूरी तरह भरोसा नही किया जाना चाहिए । रिपोर्ट के कन्टेन्ट के आधार पर कोई कार्य नही किया जा सकता है । इस रिपोर्ट को एसएमसी से लिखित आज्ञा के बिना किसी भी रूप में नकल एवं किसी भी अन्य व्यक्ति को पुन: वितरण नही किया जाना चाहिए। इस सामग्री का कन्टेन्ट सामान्य है और यह न तो पूरी तरह से व्यापक है और न विस्तृत है। इस रिपोर्ट के आधार पर उठाये गये किसी कदम से होने वाली क्षति या नुकसान के लिए न तो एसएमसी और न इसका कोई संबंधी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी को उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिए । यह कोई व्यक्तिगत अनुमोदन नही करता या किसी खास निवेश उदेश्य, वितीय स्थिति या किसी व्यक्तिगत ग्राहक या कॉरपोरेट या सत्ता की जरूरतों को लेकर नही चलता है । सभी निवेश जोखिमपूर्ण होते है एवं पिछला प्रदर्शन भविष्य के किसी प्रदर्शन की गारन्टी नही देता है। निवेश की वैल्यू और उससे प्राप्त आमदनी एक निश्चित समय में उपलब्ध कुछ बड़े एवं सूक्ष्म कारकों के बदलाव पर निर्भर कर सकती है। निवेश का निर्णय लेते समय किसी भी व्यक्ति को अपने विवेक का इस्तेमाल करना चाहिए ।

कृपया ध्यान रखें कि हम या हमारा कोई अधिकारी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी, जो भी इस रिपोर्ट को बनाने या भेजने में शामिल है उसकी (अ)समय-समय पर किसी भी कमोडिटीज में, जिनका इस रिपोर्ट में जिक्र किया गया है, खरीद या बिक्री, कोई भी पोजिशन हो सकती है और वह इस कमोडिटीज को खरीद या बिक्री कर सकता है या (ब) साथ ही साथ वह इन कमोडिटीज के किसी भी प्रकार के सौदों में और ब्रोकरेज या अन्य प्रकार के प्रतिकर में अथवा बाजार निर्माण में शामिल हो सकता है, (स) इस रिपोर्ट में दिए गये सुझावों और संबंधित सूचनाओं एवं विचारों के संदर्भ में इनका अपना कोई भी निहित स्वार्थ या विवाद हो सकता है । सभी विवादों का निपटारा अंतिम रूप से दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीन होगा ।